



एक मेज, एक कुर्सी, एक कटोरा फल और एक वायलन, भला खुश रहने के लिए और क्या चाहिए?
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

● वर्ष: 12 ● अंक 233 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 1 अक्टूबर, 2026

गिल का दोहरा शतक, भारत ने वेस्टइंडीज... 7 पंजाब में अलापे जाने लगे सियासी... 3 यूपी को कागजी एमओयू नहीं.. 2

फार्म 6 संशोधन पर सवाल

एसआईआर में बवाल ही बवाल

» एसआईआर विवाद में लीपापोती करने के चक्कर में फंसता चुनाव आयोग

» राहुल गांधी ने पूछा टीसीएस को किसने कहा था यह कर दो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव की पूरी कहानी आखिरकार वोट से शुरू होकर वोट पर ही खत्म होती है। लेकिन वोटर बनने के रास्ते में अगर फॉर्म ही बदल जाए तो फिर सवाल सिर्फ एक कालम का नहीं रह जाता सवाल उस व्यवस्था का हो जाता है जो नागरिक को मतदाता बनाती है। एसआईआर विवाद के बीच फार्म 6 के साथ जो हुआ उसने पूरे लोकतंत्र सामने यही बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि ऐसा क्यों किया गया और किसने किया।

राहुल गांधी के ताजा एक्स पर पोस्ट ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। राहुल गांधी ने सवाल पूछा है कि टीसीएस ने किसके कहने पर फार्म 6 में बदलाव किये और मांगी गयी जानकारी को हटाया। राहुल गांधी का आरोप है कि जब गड़बड़ी समाने आयी है तो उस पर बैकडोर से लीपापोती कि जा रही है। उन्होंने एक बार फिर अपनी पुराने वायदे को दोहराया है और कहा है कि यदि सरकार बनती है तो इस पूरे गड़बड़झाले के मास्टर माइंड को छोड़ा नहीं जाएगा।

सीएम शिवकुमार बोले- फॉर्म 7 के फर्जी आवेदनों पर रखनी होगी नजर

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कांग्रेस के बूथ-लेवल एजेंटों पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह एसआईआर प्रक्रिया के दौरान वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 के तहत बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जाने के आरोपों के बारे में जानकारी दें। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए दो वीडियो में शिवकुमार ने बीएलए बीएलए 1, बीएलए 2 और पार्टी के दूसरे नेताओं से कहा कि वह बूथ लेवल अधिकारियों के साथ मिलकर यह



पता लगाएं कि क्या उनके विधानसभा क्षेत्रों और पोलिंग बूथों में वोटरों के खिलाफ कोई आपति दर्ज कराई गई है। शिवकुमार ने आरोप लगाया है कि कुछ भाजपा नेता बड़ी संख्या में फॉर्म 7 एप्लीकेशन जमा कर रहे हैं ताकि वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम हटाए जा सकें। उनका आरोप है कि खास तौर पर अल्पसंख्यकों, पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को निशाना बनाया जा रहा है।

अब कहानी ने दूसरा मोड़ ले लिया है

30 सितंबर को चुनाव आयोग के ईसीआईएनईटी पोर्टल से उन राज्यों में फार्म 6 के साथ जोड़ी गई एसआईआर संबंधी अतिरिक्त घोषणा हटा दी गयी जहां एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। आयोग ने 26 सितंबर को कहा था कि गैर एसआईआर अवधि में नियमों के तहत निर्धारित फॉर्म इस्तेमाल

होंगे। इसके बाद संबंधित पोर्टलों से अतिरिक्त घोषणा गायब हो गई। जहां एसआईआर अभी जारी है वहां यह घोषणा अभी भी दिखाई दे रही है। यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अब नया सवाल दाग दिया है। राहुल गांधी ने पूछा है कि ऑनलाइन फार्म 6 में

यह बदलाव किसने अधिकृत किया? चुनाव आयोग में किसने टीसीएस को इसे लागू करने का आदेश दिया? टीसीएस में किसने इसे मंजूरी दी? और क्या किसी तरह का दबाव था। राहुल के इन सवालों से उनकी राजनीतिक धार इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि बदलाव को लेकर आयोग के भीतर पहले से दर्ज आपत्तियां मौजूद

थीं और अब एसआईआर पूरा होने वाले राज्यों में वही अतिरिक्त घोषणा ऑनलाइन व्यवस्था से हटा दी गयी है। कहानी सिर्फ यह नहीं है कि फार्म 6 में क्या जोड़ा गया था। अब कहानी यह भी है कि जो जोड़ा गया वह किस प्रक्रिया से जोड़ा गया और हटाया गया तो किस प्रक्रिया से हटाया गया।

2

से 8 अक्टूबर तक देशभर में सेव डेमोक्रेसी मार्च और प्रदर्शन किए जाएंगे। इस अभियान का सबसे बड़ा पड़ाव 6 अक्टूबर होगा।

फार्म 6 में आखिर जोड़ा क्या गया था

चुनाव आयोग का फार्म 6 वह वैधानिक आवेदन है जिसका इस्तेमाल नए मतदाता के रूप में नाम दर्ज कराने के लिए किया जाता है। लेकिन इस साल ऑनलाइन ईसीआईएनईटी पोर्टल पर उपलब्ध संस्करण में एक अतिरिक्त घोषणा दिखाई दी। इसमें आवेदक से पूछा गया कि क्या उसका नाम पिछली एसआईआर के दौरान तैयार मतदाता सूची में था। विकल्पों में आवेदक के अलावा माता पिता या दादा

दादी के नाम को भी पुराने रिकॉर्ड से जोड़ने की व्यवस्था थी। संबंधित स्थिति के आधार पर बूथ और क्रम संख्या जैसी जानकारी मांगी जा रही थी। कागज पर सवाल भले एक अतिरिक्त घोषणा का था लेकिन इसकी अहमियत इसलिए बढ़ गई क्योंकि यह नए मतदाता के पंजीकरण की प्रक्रिया में दिखाई दे रही थी। और यहीं चुनाव आयोग के भीतर कानूनी प्रक्रिया का सवाल उठा।

विपक्ष का अगला निशाना सिर्फ चुनाव आयोग नहीं होगा

बैठक में यह भी तय किया गया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति दौरे पर

मुर्मू से मुलाकात का समय मांगेंगे। विपक्ष राष्ट्रपति के सामने चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर अपनी चिंताएं रखेगा। खड़गे ने

बैठक के बाद कहा कि विपक्ष संस्थाओं के कामकाज को लेकर अपनी चिंता राष्ट्रपति के सामने रखना चाहता है। यानी एसआईआर विवाद अब एक

नए राजनीतिक चरण में पहुंचता दिख रहा है चुनाव आयोग से सवाल सड़क पर आंदोलन और फिर राष्ट्रपति भवन तक दस्तक।

सड़क से राष्ट्रपति भवन तक मोर्चा सेव डेमोक्रेसी

एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर लगातार सवाल उठा रहा विपक्ष अब इस लड़ाई को संसद और प्रेस कॉन्फ्रेंस से निकालकर सड़क तक ले जाने की तैयारी में है। इंडिया गठबंधन की बैठक में विपक्षी दलों ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सुधियों को लेकर अपनी चिंताओं के खिलाफ साझा आंदोलन की रणनीति तय की। करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे ने ऐलान किया कि 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में सेव डेमोक्रेसी मार्च और प्रदर्शन किए जाएंगे। इस अभियान का सबसे बड़ा पड़ाव 6 अक्टूबर होगा। इस दिन इंडिया गठबंधन के संसद चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च करेंगे। विपक्ष एसआईआर मतदाता सुधियों में बदलाव चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और संस्थागत जवाबदेही से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोग के सामने अपनी बात रखेगा।

आयुक्तों ने उठाई थी उंगली

पूरा मामला आनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन के फार्म 6 से जोड़ी गयी उस अतिरिक्त घोषणा का है जिसमें नए मतदाताओं से उनके या उनके माता पिता अथवा दादा दादी के पुराने एसआईआर वाले मतदाता रिकॉर्ड से जुड़ी जानकारी मांगी गयी थी। जुलाई में इस बदलाव की रिपोर्ट सामने आयी तो मामला यही नहीं रुका। चुनाव आयोग के ही दो आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने इस बदलाव की वैधानिकता पर आपत्ति

दर्ज की थी। उनके मुताबिक वैधानिक फॉर्म में बदलाव के लिए संबंधित नियमों में संशोधन जरूरी था। मई में विवेक जोशी ने फाइनल पर दर्ज आपत्ति में कहा था कि फार्म 6 और फार्म 8 जैसे वैधानिक फॉर्म को रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूलस 1960 में संशोधन किए बिना बदला नहीं जा सकता। बाद में सुखबीर सिंह संधू ने भी इस आपत्ति से सहमति जताई और बदलाव को हटाने की मांग की।

यूपी को कागजी एमओयू नहीं, वास्तविक उद्योग और कारखानों की जरूरत : अखिलेश यादव

» सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम का एकबार फिर भाजपा सरकार पर हल्लाबोल
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर हल्ला बोला है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उद्योग जगत से जुड़ने और प्रदेश में वास्तविक निवेश की व्यावहारिक सोच लाने के लिए युवा उद्योगपति धनराज नाथवानी को राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को कागजी एमओयू नहीं, बल्कि वास्तविक उद्योग और कारखानों की जरूरत है। सच्चे उद्योगपति आएंगे और वास्तविक निवेश होगा, तभी प्रदेश में रोजगार और खुशहाली बढ़ेगी।

प्रदेश सपा मुख्यालय में किसान सम्मेलन के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए भी पार्टी जीत का गणित जुटा रही है और जल्द सोच-समझकर प्रत्याशी घोषित करेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संख्या बल जिसके पास अधिक है, मौका उसे मिलना चाहिए। अखिलेश ने दावा किया कि भाजपा के कई नेता उनके संपर्क में हैं। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह से अच्छे रिश्तों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए सभी



तीन महीने बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक होंगे बेरोजगार

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें ई-रिक्शा गिफ्ट कर देना चाहिए, क्योंकि तीन महीने बाद वे बेरोजगार होने जा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि इंडिया गठबंधन कायम है और लोकसभा की तरह विधानसभा में भी यही गठबंधन रहेगा। सीटों का आधार गठबंधन की जीत होगी।

एक हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि सरकार निवेश और उद्योग को लेकर झूठे दावे कर रही है। उन्होंने

हरे और लाल रंग मिलकर सपा का झंडा बन जाएंगे

अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर तंज कसते हुए एक वीडियो दिखाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब हरे और लाल रंग मिलेंगे तो वो सपा का झंडा बन जाएंगे। हरा रंग हरियाणा का और लाल रंग क्रांति का। दोनों मिलकर ये सत्ता बदल देंगे। ये सरकार किसानों के लिए कुछ नहीं कर रही है। किसानों से सिर्फ वोट लिए जाते हैं।

चुनाव आयोग में भाजपा का एक फ्लोर लेने की टिप्पणी करते हुए कहा कि नया कार्यालय बनाने से यह बेहतर होता।

रायबरेली में चुनाव लोधी बनाम योगी होगा

उन्होंने कहा कि रायबरेली ने तय कर लिया है कि इस बार चुनाव लोधी बनाम योगी होगा। संभल मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से पुलिस पर दस लाख रुपये का जुर्माना लगाए जाने का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि सपा लगातार पुलिस की कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताती रही है। किसानों के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा कि किसान खुशहाल होगा तभी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। चीनी और पेट्रोल में इथेनॉल से सरकार को होने वाले मुनाफे का लाभ किसानों को भी मिलना चाहिए।

एक युवा को राज्यसभा भेज रहा हूं

अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने एक युवा को राज्यसभा भेजा जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने उद्योग जगत से जुड़ने के लिए एक उद्योगपति को राज्यसभा भेजा जा रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया खुशहाली की बात करते हैं। सरकार की कोशिश इवेस्टमेंट आए। जब हम एफडीआई को कंपेयर करते हैं, तो समाजवादी पार्टी का मानना है कि उद्योग कैसे लगे यह भी सोच लेनी चाहिए। वहीं, अखिलेश यादव ने बृज भूषण शरण सिंह पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें तय करना पड़ेगा, हरा गमछा और लाल गमछा डाल लें।

चुनावों में वोट चोरी और बेईमानी तो लंबे समय से चल रही है

अखिलेश यादव ने कहा कि चुनावों में वोट चोरी और बेईमानी तो लंबे समय से चल रही है। 2022 के चुनाव में हमने देखा कि समाजवादी पार्टी समर्थकों के बड़ी संख्या में वोट काट दिए गए। अब जब बेईमानी की खबरें अखबारों में छपने लगीं, तब लोगों को समझ में आ रहा है कि वोट चोरी और चुनाव में घोटाला हो रहा है। नोएडा में अभी भी फर्जी वोट बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में वोट चोरी की जिस तरह से खबरें आ रही हैं, उसका स्वतः संज्ञान लेते हुए कोर्ट को पश्चिम बंगाल और बिहार में दोबारा चुनाव कराना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने 2024 में भाजपा को हराया है। 2027 में भाजपा का सफाया कर देंगे। भाजपा पूंजीपतियों के लिए काम करती है और धनासेतों की पार्टी है।

अखिलेश से मिले योगी के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान

लखनऊ। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल होने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से उनके कक्ष में मुलाकात की। इसी दौरान कैबिनेट मंत्री राकेश सचान विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष के बाहर पहुंचे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यूपी की सियासत में क्रॉस वोटिंग को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। देर शाम राकेश सचान ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मुलाकात की। राकेश सचान ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा कीं। हालांकि, इन मुलाकातों को लेकर सामने आई चर्चाओं पर संबंधित पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

बिहार में चहुंओर असुरक्षा, अन्याय और अत्याचार का माहौल : तेजस्वी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेगूसराय। बिहार में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर हमला बोला है। कानून व सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बेगूसराय नगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने हथियार का भय दिखाकर दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल करने तथा जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है।

महिला की लिखित शिकायत पर नगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व प्रधानमंत्री पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मारपीट और शोषण कि ऐसी जघन्य घटना हुई हैं कि जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता। सूबे में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। चहुंओर असुरक्षा, अन्याय और अत्याचार का माहौल है। क्योंकि बिहार में अब हैवानों, शैतानों और



राक्षसों का राज है? जाति विशेषज्ञ आपराधिक चरित्र के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और इसका खामियाजा आम बिहारियों को भुगतना पड़ रहा है। पीएम मोदी को टैग करते हुए तेजस्वी लिखते हैं कि इन बेटियों की चीख-चीत्कार सुनकर इसलिए मौन हैं, ताकि चुनावों में बिहार आकर फिर से जंगलराज का रोना रो सकें। क्या प्रधानमंत्री के प्रिय गाने मारब सिक्सर की छहो गोली छाती में रेंज की छहो गोलियां खाली हो चुकी है? पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि वह

राजद नेता ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का ऋण वापस कराने के लिए निकली थी। इसी दौरान रास्ते में एक परिचित व्यक्ति ने उसे रोका और बातचीत के बाद उसे अलका सिनेमा के समीप ले गया। वहां से उसे होटल 'ब्लू डायमंड' ले जाया गया, जहां पहले से एक अन्य आरोपी मौजूद था।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता का आरोप है कि होटल के कमरे में आरोपियों ने दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद चाकू का भय दिखाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया गया और घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया गया। पीड़िता किसी तरह वहां से निकलकर अपने घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। मामले की सूचना मिलने के बाद नगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए एफएसएल टीम को भी सूचित किया है, ताकि वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए जा सकें।

आजम खां के करीबी कारोबारी सलीम से ईडी ने फिर की पूछताछ

» जौहर ट्रस्ट मामले में दोबारा किया गया तलब
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मंत्री आजम खां और उनके परिजनों की जौहर ट्रस्ट की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को रामपुर की एंजु एस इंटरप्राइजेज के संचालक सलीम से दोबारा पूछताछ की। उसे आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम का करीबी बताया जाता है। उसने जौहर ट्रस्ट को करोड़ों रुपये डोनेशन दिया था, जिसके बारे में ईडी गहनता से पूछताछ कर रही है।

देर शाम तक उससे पूछताछ जारी थी। अधिकारियों के मुताबिक सलीम और उसके साथी अनवर को ईडी ने बीते दिनों समन भेजकर तलब किया था। चार बार समन भेजने के बाद भी वह पेश नहीं हो रहा था। हालांकि बीते सप्ताह वह जांच एजेंसी के सामने पेश हुआ था, जिसके बाद उसे ट्रस्ट को डोनेशन की रकम देने

से जुड़े दस्तावेजों के साथ आज फिर बुलाया गया था। अधिकारियों को संदेह है कि सलीम के जरिये जौहर ट्रस्ट ने ब्लैक मनी को डोनेशन के रूप में लेकर सफेद करने की साजिश रची थी। इस प्रकरण में नोएडा के एक बड़े कारोबारी का नाम भी सामने आ रहा है, जिसे ईडी पूछताछ के लिए तलब करने की तैयारी में है। इस कारोबारी के जरिये भी करोड़ों रुपये की ब्लैक मनी को सफेद करने के पुख्ता सुराग मिले हैं। वहीं दूसरी ओर जल निगम में 5 फर्में के जरिये प्रचार-प्रसार का अरबों रुपये का ठेका लेने वाले बसपा नेता आफताब की जांच भी तेज हो गई है। ईडी ने बीते दिनों उसकी फर्में के बारे में जल निगम (ग्रामीण) के प्रबंध निदेशक से जानकारी मांगी थी। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने उसकी फर्में, बैंक खातों और जल निगम से मिले टेंडर और भुगतान की तमाम जानकारी जुटा ली है और उस पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी है।

इंडिया गठबंधन के सभी सदस्य सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संयुक्त प्रदर्शन करें : उद्धव ठाकरे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने विपक्षी गठबंधन की बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग उठाई। ठाकरे ने कहा कि देश में भाजपा सरकार के खिलाफ माहौल बन चुका है और विपक्षी दलों को अलग-अलग प्रदर्शन करने के बजाय एकजुट होकर मोर्चा खोलना चाहिए।

शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बुधवार को विपक्षी गुट 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के नेताओं से एक बैठक में कहा



कि देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ माहौल है और सभी विपक्षी दलों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मिलकर प्रदर्शन करना चाहिए।

नयी दिल्ली में 'इंडिया' गठबंधन की

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये शामिल हुए ठाकरे ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के निशाने पर आए कुमार को या तो तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए या उन्हें पद से हटा दिया जाना चाहिए। शिवसेना (उबाठा) के एक पदाधिकारी ने ठाकरे के हवाले से कहा, 'देश के लोगों का मिजाज (भाजपा) सरकार के खिलाफ है। विभिन्न दल निर्वाचन आयोग के खिलाफ अलग-अलग प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी विपक्षी दलों को मिलकर प्रदर्शन करना चाहिए।



बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

पंजाब में अलापे जाने लगे सियासी-चुनावी राग

कांग्रेस, शिअद व भाजपा के निशाने पर आप

» विवि बवाल के बाद विपक्ष पूरे तेवर में

» विस-27 के चुनाव पर सबकी नजर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में एक विश्व विद्यालय में हुए बवाल के बाद पंजाब में सियासी मचमच शुरू हो गई है। शिरोमणि अकाली दल, भाजपा व कांग्रेस ने आप सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। बता दें राज्य में 2027 में विस चुनाव होने हैं ऐसे में राज्य में इस तरह के बवाल के बाद राजनीति होना लाजिमी है। पूरे विपक्ष इस मुद्दे को लेकर लपक लिया।

शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब की आप सरकार पर सरकारी संसाधनों और संपत्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य को नए प्रयोगों के बजाय विकास, शांति और रोजगार की जरूरत है। बादल ने वादा किया कि सत्ता में लौटने पर उनकी पार्टी इस दुरुपयोग की जांच कर जनता का पैसा वसूल करेगी। वहीं कांग्रेस के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने ने आरोप लगाया कि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुआ बवाल राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि संस्थापक अशोक मित्तल के भाजपा में शामिल होने के बाद AAP सरकार यूनिवर्सिटी को निशाना बना रही है। चन्नी ने कैपस में पुलिस कार्रवाई और नुकसान पर भी सवाल उठाए।

पुलिस का इस्तेमाल गुंडा फोर्स के तौर पर किया जा रहा

पोस्ट में लिखा था मैं आज माझा के शेर-दिल बेटों द्वारा दिखाए गए अदृष्ट विश्वास और जोशीले संकल्प को सलाम करता हूँ। रैली की सफलता पर सम्मानित समुदाय के नेता और निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी जयदेव वीर सिंह लोपोके और उनकी टीम को बधाई। बादल ने युवा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की भी कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि पुलिस का इस्तेमाल गुंडा फोर्स के तौर पर किया जा रहा है। सरकार। बादल ने कहा, मैं पुलिसकर्मियों से कहना चाहता हूँ कि वे अपना कर्तव्य निभाएं और सही-गलत की पहचान करें। ऐसी बातों पर आंखें मूंद लेना भी गलत काम है।



पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आप को घेरा

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आरोप लगाया है कि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुए विरोध-प्रदर्शन और उसके बाद फैली अशांति के पीछे राजनीतिक मकसद था। यह सब यूनिवर्सिटी के मालिक अशोक मित्तल के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद हुआ। पत्रकारों से बात करते हुए चन्नी ने यूनिवर्सिटी में हालात को संभालने के तरीके की आलोचना की और हंगामे के दौरान पुलिस की कार्रवाई और छात्रों के साथ किए गए बर्ताव पर चिंता जताई। चन्नी ने कहा कि बाहरी लोग वहां गए और गुंडागर्दी की। इस गुंडागर्दी को खुद पुलिस का समर्थन हासिल था। एलपीयू के फाउंडर अशोक मित्तल भाजपा में शामिल हो गए हैं और उसके बाद से आम आदमी पार्टी की सरकार इस यूनिवर्सिटी को बर्बाद



करने की कोशिश कर रही है। चन्नी ने आगे आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी के बाहर के लोग कैपस में गड़बड़ी फैलाने के लिए आए थे। उन्होंने अशांति के दौरान यूनिवर्सिटी को हुए कथित आर्थिक नुकसान पर भी सवाल उठाए और कहा कि खबरों के मुताबिक करीब 100 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है - मुझे पक्का नहीं

पता - तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? उन्होंने छात्रों के खिलाफ कथित तौर पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने के लिए पुलिस की आलोचना की और पूछा कि और उसके बाद, छात्रों की बुरी तरह पिटाई की गई; इसके लिए कौन जिम्मेदार है? जिन पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने छात्रों को इतनी बेरहमी से पीटा, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? और हालात को समय रहते क्यों नहीं संभाला गया? पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी सरकार की देर से की गई कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि जो हुआ, उस पर सरकार ने बहुत देर से कार्रवाई की... उन्हें तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए थी। छात्र सड़कों पर उतरे, विरोध प्रदर्शन किया। ऐसा नहीं होना चाहिए।

‘आप सरकार पर सरकारी मशीनरी, पुलिस और सार्वजनिक संपत्ति के गलत इस्तेमाल कर रही’

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर सरकारी मशीनरी, पुलिस और सार्वजनिक संपत्ति के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया और कहा कि राज्य को विकास, शांति, सांप्रदायिक सद्भाव, सुरक्षा और रोजगार की जरूरत है। सरकारी संसाधनों के कथित दुरुपयोग के मुद्दे पर बात करते हुए बादल ने कहा कि पंजाब सरकार को इसकी उचित जांच करानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस प्रॉपर्टी में आप नेता अरविंद केजरीवाल रुके थे,



उसके मालिक ने बाद में पार्टी छोड़ दी थी और इस घटनाक्रम से जुड़े हालात पर सवाल उठाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकारी प्रॉपर्टी और सरकारी आवासों पर बाहरी लोगों का कब्जा हो रहा है और दावा किया कि आप ने पूरे पंजाब में सरकारी प्रॉपर्टी पर कब्जा कर लिया है। बादल ने कहा कि अगर SAD सत्ता में वापस आती है, तो उनकी पार्टी सरकारी संसाधनों के कथित दुरुपयोग की जांच करेगी और जिम्मेदार लोगों से जनता का पैसा वसूल करेगी। एक्स पर एक पोस्ट में प्रमुख ने राजासांसी निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का पार्टी की पंजाब बचाओ रैली में शामिल होने के लिए आभार भी व्यक्त किया।

शिरोमणि अकाली दल के लिए उठ रहा जन सैलाब

उन्होंने लिखा सोढ़ी पातशाह श्री गुरु रामदास जी की कृपा के लिए मैं अपना आभार कैसे व्यक्त कर सकता हूँ? मैं राजासांसी निर्वाचन क्षेत्र की संगत और माझा की धरती से शिरोमणि अकाली दल के लिए उठे समर्थन के जबरदस्त सैलाब के प्रति बहुत आभारी हूँ। उन्होंने आगे कहा, मैं राजासांसी निर्वाचन क्षेत्र में पंजाब बचाओ रैली के लिए उमड़े अकाली योद्धाओं के जनसैलाब के सामने



श्रद्धा से नतमस्तक हूँ। इन तस्वीरों को देखिए आपको एहसास होगा कि यह पूरी भीड़ किसी सरकारी पद या निजी फायदे के लिए शिरोमणि

अकाली दल की रैली में नहीं आई थी, बल्कि अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम के कारण आई थी। 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में आप

सरकार पर निशाना साधते हुए बादल ने कहा, लोग अब दिल्ली-आधारित पार्टियों और वायरस विघटनकारी राजनीतिक तत्वों की असलियत समझ गए हैं। पंजाब को किसी नए प्रयोग या और धोखे की जरूरत नहीं है। पंजाब को अब विकास, शांति, सांप्रदायिक सद्भाव, सुरक्षा और अपने बच्चों के लिए रोजगार की जरूरत है। पंजाबी अब शिरोमणि अकाली दल की सरकार चाहते हैं।

भाजपा छात्रों का अपमान कर रही : रंधावा

राज्य के रेल मंत्री रवनीत सिंह बिंदू के इस दावे पर कि छात्रों का विरोध प्रदर्शन आम आदमी पार्टी के आगामी कार्यक्रम में बाधा डालने के लिए था, रंधावा ने कहा कि छात्रों का अपमान नहीं किया जाना चाहिए। बिंदू की ऐसी बातें करने की आदत है, जिनका कोई मतलब नहीं है। मैं उन्हें सलाह देता हूँ कि एक राजनेता के पोते होने के नाते वे ऐसा बयान न दें, जिससे राज्य की छवि खराब हो सकती है। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भंवर जितेंद्र सिंह ने वोट चोरी की शिकायतों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पूरे राज्य से वोट चोरी की शिकायतें मिल रही हैं। वे सिर्फ ईसीआई प्रमुख हैं। लेकिन जिस सिस्टम और बीजेपी की इसमें भूमिका है, उस पर चर्चा होनी चाहिए।



प्रयोग नहीं विकास और सुरक्षा चाहिए

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब की AAP सरकार पर सरकारी संसाधनों और संपत्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि शिअद की सत्ता में वापसी होने पर इन मामलों की जांच कराकर जनता का पैसा वसूला

जाएगा। बादल के अनुसार पंजाब को अब नए प्रयोगों के बजाय शांति, सुरक्षा और रोजगार की जरूरत है। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने सोमवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना की और सरकारी संसाधनों, पुलिस और

सार्वजनिक संपत्तियों के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य को विकास, शांति, सांप्रदायिक सद्भाव, सुरक्षा और रोजगार की जरूरत है। संसाधनों के कथित गलत इस्तेमाल के मुद्दे पर बात करते हुए, बादल ने पंजाब सरकार से इसकी गहन

जांच की मांग की। बादल ने यह भी आरोप लगाया कि बाहरी लोगों ने सरकारी संपत्तियों और सरकारी आवासों पर कब्जा कर लिया है और कहा कि आप ने पूरे पंजाब में सरकारी संपत्तियों पर अपना नियंत्रण कर लिया है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

स्मार्ट सिटी का नाम देने से स्मार्ट नहीं बनेंगे शहर

66

अभी यूपी लगातार बारिश ने सरकार के दावे की कलई भी खोल दी। अब ऐसे में एकबार फिर शहरी विकास पर सभी सियासी दलों को बैठकर मंथन करना चाहिए। असल में स्मार्ट सिटी वह है, जहां नागरिकों को सुरक्षित सड़कें, भरोसेमंद पानी सीवेज व्यवस्था, प्रभावी कचरा प्रबंधन, सुगम यातायात और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान मिलें। सिर्फ बड़े प्रोजेक्ट और स्मार्ट सिटी का नाम देने से शहर स्मार्ट नहीं बनेंगे। राजस्थान में हाल में हुए नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ने 309 नगरीय निकायों में से सर्वाधिक 200 से ज्यादा जगहों पर बोर्ड बनाकर सफलता प्राप्त की है।

भारत के हर शहर का विस्तार बड़ी तेजी से हो रहा है। केन्द्र से लकर राज्य सरकारें इसके लिए योजनाएं बना रही हैं। पर दावों के बाद भी शहरों में अनियोजित विकास एक बहुत बड़ी समस्या है। उधर स्मार्ट सिटी की पीएम मोदी की योजना भी उतनी कारगर नहीं दिखाई दे रही है जितना की दावा किया गया था। अभी यूपी लगातार बारिश ने सरकार के दावे की कलई भी खोल दी। अब ऐसे में एकबार फिर शहरी विकास पर सभी सियासी दलों को बैठकर मंथन करना चाहिए। असल में स्मार्ट सिटी वह है, जहां नागरिकों को सुरक्षित सड़कें, भरोसेमंद पानी सीवेज व्यवस्था, प्रभावी कचरा प्रबंधन, सुगम यातायात और सुरक्षित सार्वजनिक स्थान मिलें। सिर्फ बड़े प्रोजेक्ट और स्मार्ट सिटी का नाम देने से शहर स्मार्ट नहीं बनेंगे। राजस्थान में हाल में हुए नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा ने 309 नगरीय निकायों में से सर्वाधिक 200 से ज्यादा जगहों पर बोर्ड बनाकर सफलता प्राप्त की है।

इस परिणाम को राज्य के शहरी मतदाता की अपेक्षाओं और बदलती प्राथमिकताओं के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। नगरीय निकाय चुनावों से पहले भाजपा ने संकल्प पत्र के माध्यम से शहरों के समग्र विकास का स्पष्ट रोडमैप जनता के सामने रखा है। अब सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि संकल्प पत्र में किए प्रत्येक वादे को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारते हुए जनता की कसौटी पर खरा उतरे। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 2025 में भारत की शहरी आबादी करीब 35.7 प्रतिशत है। इसके बावजूद शहरों में अनियोजित विकास, जलभराव, अवैध कॉलोनियां, खराब सड़कें और कमजोर बुनियादी ढांचा आम शहरी नागरिक के लिए चुनौती बने हुए हैं। इस ओर सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अनियोजित शहरीकरण के कारण प्राकृतिक संपदा को हो रहे नुकसान पर जापान के क्यूशू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार भारत के आठ बड़े शहरों के विस्तार से करीब 210 करोड़ रुपए की प्राकृतिक संपदा नष्ट हुई, जिसमें जंगल, घास के मैदान और वेटलैंड्स शामिल हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में हर सप्ताह पेरिस के बराबर निर्माण हो रहा है। तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल न केवल प्रकृति को नुकसान पहुंचा रहे हैं बल्कि प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट की चुनौतियों को भी बढ़ा रहे हैं। तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। व्यापार, पर्यटन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, रियल एस्टेट, परिवहन, छोटे व्यवसाय और सेवा क्षेत्र का विस्तार शहरों के माध्यम से ही होता है। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अब नगर निकायों को और बेहतर बनाने वाली संस्थाओं के रूप में विकसित करना होगा।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विश्वविद्यालयों में नयी ऊर्जा संचार का वक्त

अविजित पाठक

असहिष्णुता के इस दौर में, परेशान करने वाला ख्याल मेरे मन में आ रहा है। क्या राजनीतिक प्रतिष्ठान को अब बौद्धिक रूप से जीवंत और शैक्षणिक रूप से समृद्ध, समावेशी सरकारी विश्वविद्यालयों की अहमियत और अधिक महसूस नहीं हो रही? अन्यथा, हमारे कुछ प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालयों पर लगातार हो रहे हमलों को कैसे लिया जाए? मसलन, जाधवपुर यूनिवर्सिटी का हालिया उथल-पुथल भरा घटनाक्रम – जो शायद पश्चिम बंगाल का सबसे जाना-माना शैक्षणिक संस्थान है। ऐसा लगता है कि बंगाल की बीजेपी सरकार इस विश्वविद्यालय के राजनीतिक-सांस्कृतिक माहौल से खास तौर पर खुश नहीं। इसमें हैरानी की बात नहीं कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और वामपंथी छात्र समूहों के बीच तनाव के बाद हिंसक झड़पें और आधी रात को तोड़-फोड़ होते हमें देखने को मिलीं।

हमने भगवा मार्च और यूनिवर्सिटी गेट के सामने नागा साधुओं की मौजूदगी भी देखी। क्या अपनी खास शारीरिक भंगिमाओं से ये साधु उन छात्रों और शिक्षकों को कोई संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें राजनीतिक व्यवस्था समस्याग्रस्त या अनैतिक असहमति रखने वाला मानती है? वास्तव में, हालिया समय में हमारे प्रमुख सरकारी विश्वविद्यालयों पर हो रहे इस प्रकार के हमलों का कोई अंत नहीं दिख रहा है—जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी से लेकर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज तक; या जामिया मिलिया इस्लामिया से लेकर दिल्ली यूनिवर्सिटी तक। टकराव नाना रूप धर कर सामने आ रहे – कुलपति नियुक्ति के तरीके से लेकर ज्ञान की नई राजनीति तक – वह जिसे ‘भारतीय ज्ञान प्रणाली’ कहा जा रहा है – ऐसा होने देकर आलोचनात्मक सोच व शैक्षणिक आजादी के माहौल को खत्म करने तक। हो सकता है हमारे प्रमुख सार्वजनिक विश्वविद्यालयों का

सुनियोजित पतन एक नए कारोबार के बढ़ने का आधार भी बना रहा हो—तेजी से बढ़ रहे निजी विश्वविद्यालयों के जरिए शिक्षा का बाजारीकरण (यानी शिक्षा को बिकाऊ चीज बनाना)। भले ही नव-उदारवाद के समर्थक – या वे लोग जो मुनाफे की समान सोच के साथ शिक्षा को भी पॉपकॉर्न की भांति बेचते हैं – हमारे बेहतरीन सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के गिरते मूल्य पर आंसू न बहाएं, लेकिन वे सभी लोग, जिनकी जर्दीगी इन संस्थानों की वजह से बदली है, उन्हें आगे आना चाहिए और अपनी आवाज उठानी चाहिए। निजी तौर पर मैं सदा दो बेहतरीन सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों का आभारी रहूंगा –



कोलकाता का प्रेसीडेंसी कॉलेज और दिल्ली की जेएनयू। लेखक के मुताबिक— मैं अच्छे प्रोफेसरो, एक जीवंत शैक्षणिक संस्कृति, सार्थक बहस, संवाद एवं राजनीतिक मंथन के अनुकूल माहौल में और, सबसे बढ़कर, सामाजिक विविधता के समृद्ध अनुभव से पल्लवित होकर बड़ा हुआ हूँ। लगता है कि वहां विशेषज्ञतापूर्ण अकादमिक ज्ञान अर्जित करने के अलावा, मैंने तीन जरूरी बातें सीखीं, जो मेरे हिसाब से एक लोकांतर्गिक, समावेशी व काफी हद तक बराबरी वाले समाज के विकास के लिए जरूरी हैं। सर्वप्रथम, मैंने (लेखक) अनेकता और मिल-जुलकर रहने की भावना को समझा। एक तमिल लड़का, एक मिजो लड़की, बिहार के दूर-दराज इलाके से आए एक दलित छात्र या केरल की एक होनहार मुस्लिम छात्रा के साथ बड़े होने के दौरान, मैंने

दूसरों की भावनाओं को समझने (सहानुभूति), अलग-अलग संस्कृतियों के बीच संवाद बनाने और, सबसे बढ़कर, यह समझने की संवेदनशीलता सीखी कि भारतीय होने का असल मतलब अनिवार्य रूप से हमारी गौरवशाली अनेकता और विविधता के बीच दूसरों की बातों को गहराई से सुनने की कला विकसित करना है। कदाचित, एक बेहतरीन सार्वजनिक यूनिवर्सिटी का यह अनकहा सबक ही हमें धार्मिक कट्टरपंथ, विदेशियों के प्रति नफरत रखने वाली राष्ट्रवादी सोच और संकीर्ण पहचान की राजनीति को हमेशा शक की नजर से देखने के काबिल बना गया। दूसरी बात,

मैंने सीखा कि नव-उदारवाद या बाजार-केंद्रित मूलभूत सोच की भी अपनी सीमाएं होती हैं। हर चीज बिकाऊ नहीं होती। शिक्षा का अधिकार किसी एक वर्ग-विशेष का हक और आर्थिक पूंजी पर निर्भर नहीं होना चाहिए।

किफायती और अच्छी गुणवत्ता वाले सरकारी विश्वविद्यालय के बिना, हम उस बुराई का विरोध नहीं कर पाएंगे, जो सदियों से चली आ रही है – यानी सामाजिक एवं आर्थिक असमानता का लगातार बने रहना। कई बार मुझे लगता है कि मैं कस्मिंत वाला था कि मेरे बड़े होने के दौरान बढ़िया सरकारी विश्वविद्यालय मौजूद थे; वर्ना, मेरे माता-पिता के लिए मुझे बहुत महंगे और बाजारीकृत ‘फाइव-स्टार’ निजी विश्वविद्यालयों में भेजना और हर साल लगभग 13 लाख रुपये का इंतजाम करना नामुमकिन होता!

रितुपर्ण दवे

पिछले एक दशक में स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है, लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है। स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार करते हुए एक दिन विशेष रूप से इसे पूरे विश्व में मनाने का निश्चय किया गया, ताकि लोगों को इस रोग की बारीकियों और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके।

लोगों में इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए

हर धड़कन में महसूस करें दिल की सेहत



विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था।

आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन दुनियाभर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

हृदय रोग के बढ़ते जोखिम और इसके कारकों को समझने, चेतावनी संकेतों को पहचानने और स्वस्थ आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए इस पहल की शुरुआत की गई थी, जो आज सार्थक प्रतीत हो रही है। हर वर्ष यह दिन एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार इस दिन पर विश्व हृदय महासंघ ने ‘डॉट मिस ए बीट’ थीम रखी है, जिसमें काफी कुछ संकेत छिपे

हैं। इस संदेश को दोहराया गया है कि हृदय रोग अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनने तक अनदेखा रह जाता है। हार्ट अटैक आने से कुछ हफ्ते पहले सीने में हल्का दर्द, अत्यधिक थकान और सांस फूलने जैसे संकेत मिलने लगते हैं। एसिडिटी, सीने में हल्का दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस होना, जो काम करने पर बढ़ता है और आराम करने पर कम हो जाता है।

बिना किसी भारी काम के हर समय बहुत ज्यादा थका हुआ और कम ऊर्जा महसूस होना। सांस लेने में तकलीफ, जैसे सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। इसके अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द, जबड़े में

जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक दर्द का फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। वर्ष 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है— लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें और जीवनशैली में समय के साथ बदलाव करें। जरा-सी आहत होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रांति भी है कि यह वृद्ध व वयस्कों से जुड़ा होता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है।

उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, दीर्घकालिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अपर्याप्त नींद और हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास जैसे कारक समय के साथ जोखिम को बढ़ा सकते हैं। वास्तव में कुछ जोखिम धीरे-धीरे विकसित होते हैं और स्थिति गंभीर होने तक स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में दिल के बचाव के लिए संतुलित आहार, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तंबाकू से परहेज और रक्तचाप को नियंत्रित रखने जैसी छोटी-छोटी नियमित आदतें काफी हद तक जोखिम को कम कर सकती हैं। इनमें से कई जोखिमों की पहचान या संकेत हमारा शरीर दे देता है। सच तो यह है कि हृदय की धड़कन को पहचानने की कला से भी काफी हद तक इस रोग को समझकर समय रहते चेता जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति की हृदय की धड़कन निर्धारित मानकों पर खरी उतरनी चाहिए। इसके लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श और जांच की आजकल हर कहीं आसानी से सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सनस्क्रीन न भूलें

सनस्क्रीन लगाना त्वचा की देखभाल का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो आपको सूरज की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाता है। अक्सर लोग सनस्क्रीन लगाने में कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं, जिससे उन्हें पूरा फायदा नहीं मिल पाता। इसलिए दिन में बाहर निकलने पर ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन लगाएं। ऑयली स्किन के लिए हल्का या जेल-बेस्ड फॉर्मूला आरामदायक लग सकता है।

बहुत ज्यादा लेयरिंग से बचें

बहुत ज्यादा लेयरिंग से बचना एक बेहतरीन विचार है, चाहे बात कपड़े पहनने की हो। अत्यधिक लेयरिंग हमेशा फायदों के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है। एक साथ कई सीरम, क्रीम और एक्टिव प्रोडक्ट लगाने से बचें। त्योहार से ठीक पहले नया या तेज एक्टिव वाला प्रोडक्ट ट्राई करना भी सही नहीं है।

हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं

ऑयली स्किन को भी मॉइस्चराइजर की जरूरत होती है। हल्का, नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉइस्चराइजर चुनना बेहतर विकल्प हो सकता है। वहीं सुबह और रात चेहरे को जेंटल वलींजर से साफ करें। बहुत ज्यादा चेहरा धोने से त्वचा में जलन या ड्राइनेस हो सकती है। ये त्वचा में जल्दी सोख जाते हैं और चिपचिपापन नहीं छोड़ते।

तकिए का कवर साफ रखें

तकिए का कवर साफ रखना आपकी त्वचा, बालों और बेहतर नींद के लिए बेहद जरूरी है। हमारे चेहरे का तेल, पसीना, लार और डेड स्किन सेल्स लगातार तकिए के कवर पर जमा होते रहते हैं, जिससे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसलिए फेस्टिव सीजन में स्किनकेयर के साथ साफ-सफाई भी जरूरी है। तकिए का कवर और मेकअप ब्रश नियमित रूप से साफ करें। वहीं अगर दिन में अतिरिक्त ऑयल नजर आए तो ब्लॉटिंग पेपर मददगार हो सकता है। बार-बार चेहरा धोने की जरूरत नहीं पड़ती।

त्योहारों का मौसम आते ही हर कोई खूबसूरत और ग्लोइंग स्किन पाना चाहता है। लेकिन ऑयली स्किन वालों के लिए फेस्टिव सीजन में त्वचा की देखभाल थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ज्यादा तेल, पसीना, धूल-मिट्टी और लगातार मेकअप करने से चेहरे पर चिपचिपापन, बंद पोर्स, पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में त्योहार से पहले और त्योहार के दौरान सही स्किनकेयर रूटीन अपनाना जरूरी है। ऑयली स्किन को भी बिना ज्यादा प्रोडक्ट्स के फेश और ग्लोइंग रखा जा सकता है। इसके लिए चेहरे को जरूरत से ज्यादा धोने के बजाय माइल्ड क्लींजर, हल्का मॉइस्चराइजर और ऑयली स्किन के लिए उपयुक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। मेकअप करने से पहले त्वचा को अच्छी तरह तैयार करना भी जरूरी है। अगर आप त्योहारों में बिना चिपचिपापन के हेल्दी ग्लो चाहती हैं, तो कुछ आसान स्किनकेयर टिप्स आपकी काफी मदद कर सकते हैं।

ऑयली स्किन को ऐसे रखें चमकदार

पिंपल और चिपचिपापन से भी मिलेगा छुटकारा

पिंपल्स को न दबाएं

पिंपल्स को कभी भी दबाना या फोड़ना नहीं चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से चेहरे पर स्थायी दाग-धब्बे और गहरा इन्फेक्शन हो सकता है। जब आप किसी मुंहासे को दबाते हैं, तो त्वचा के अंदर मौजूद बैक्टीरिया और मवाद बाहर निकलने के बजाय त्वचा की गहरी परतों में चले जाते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। इसलिए त्योहार से पहले पिंपल्स को दबाने से लालिमा और निशान बढ़ सकते हैं। ज्यादा या लगातार मुंहासे हों तो त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है। गंदे हाथों से चेहरे को छूने की आदत से बचें।

मेकअप अच्छी तरह हटाएं

त्योहार की रात कितनी भी थकान हो, मेकअप हटाकर ही सोएं। इसके बाद चेहरे को साफ करके अपनी सामान्य स्किनकेयर रूटीन अपनाएं। वहीं फेस्टिव मेकअप से पहले चेहरे को साफ करके मॉइस्चराइज करें। जरूरत हो तो मेकअप के लिए उपयुक्त प्राइमर का इस्तेमाल करें। क्योंकि त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने के लिए मेकअप को अच्छी तरह और सही तरीके से हटाना बेहद जरूरी है। केवल साधारण फेसवॉश या साबुन से वाटरप्रूफ और भारी मेकअप पूरी तरह साफ नहीं होता, जिससे पोर्स बंद हो सकते हैं और पिंपल्स की समस्या हो सकती है।



हंसना मना है

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफलता जरूर मिलती है। छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...

हंसी के लिए गम कुर्बान, खुशी के लिए आंसू कुर्बान, दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो दोस्त भी कुर्बान।

व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति: बचाओ गणेश जी बचाओ, गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति: आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी: तू भी तो मेरे विसर्जन में नाचता है।

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनली के होटल से उठाकर लाए थे।

प्रेमिका: तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी: जो तुम चाहो मेरी जान। प्रेमिका: रिंग? प्रेमी: ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

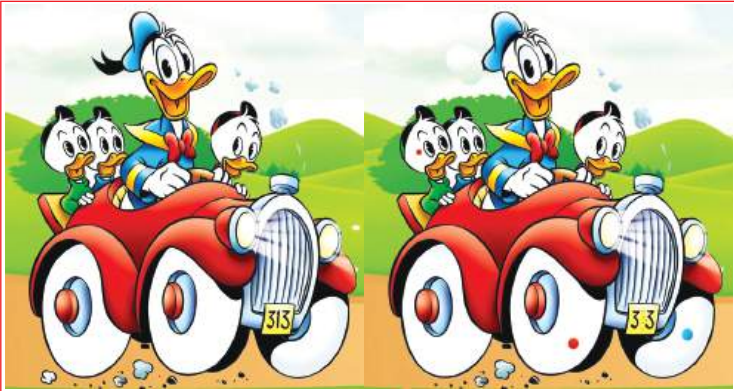
फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेंकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

कहानी

चालाक लोमड़ी

एक जंगल में गधा, लोमड़ी और शेर के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। तीनों ने एक दिन शिकार करने के बारे में सोचा। सबने मिलकर तय किया कि शिकार करने के बाद उसपर तीनों का बराबर हक होगा। कुछ ही दूरी पर उन तीनों को जंगल में हिरण दिखा। तीनों ने हिरण पर झपट्टा मारने की कोशिश की। उसे देखते ही वो तेजी से दौड़ने लगा। दौड़ते-दौड़ते थककर हिरण कुछ देर के लिए रुक गया। तभी मौका देखकर शेर ने हिरण का शिकार कर दिया। मरे हुए हिरण के तीन हिस्से करने के लिए शेर ने अपने दोस्त गधे को कहा। जैसा पहले तय हुआ था उसी हिसाब से गधे ने शिकार को तीन बराबर हिस्सों में बांट दिया। ये देखकर शेर को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा। वो गुस्से में जोर-जोर से दहाड़े मारने लगा। शेर ने गधे पर हमला करके उसे अपने दांतों और पंजों की मदद से दो हिस्से में बांट दिया। तभी शेर ने एकदम से लोमड़ी को कहा, चलो दोस्त अब तुम इस शिकार का अपना हिस्सा ले लो। लोमड़ी चालाक और समझदार दोनों ही थी। उसने बड़ी ही अकलमंदी के साथ हिरण के शिकार का तीन चौथाई हिस्सा शेर को दे दिया और खुद के लिए एक चौथाई हिस्सा ही बचाया। इस तरह हुए शिकार के हिस्से से शेर काफी खुश हो गया। उसने हंसते हुए लोमड़ी से कहा कि अरे वाह! तुमने एकदम मेरे मन का काम किया है। तुम्हारा दिमाग काफी तेज है।' इतना कहते ही शेर ने लोमड़ी से पूछा, 'तुम इतनी समझदार कैसे हो? तुम्हें कैसे पता चला कि मैं क्या चाहता हूँ? तुमने इतना अच्छे से शिकार का हिस्सा लगाना कहाँ से सीखा है?' शेर के सवालों का जवाब देते हुए लोमड़ी बोली कि आप जंगल के राजा हैं और आपको कैसे हिस्सा लगाना है, ये समझना मुश्किल नहीं है। साथ ही मैंने उस गधे की हालत भी देख ली थी। उसके साथ जो कुछ भी हुआ उससे सीख लेते हुए मैंने ऐसी समझदारी दिखाई है।' जवाब सुनकर शेर काफी खुश हुआ। उसने कहा कि तुम सच में बुद्धिमान हो।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



पंडित संदीप आनंद शर्मा

मेघ 	कार्यक्षेत्र में आपकी निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार में नए विचारों और नेटवर्किंग से लाभ मिलने की संभावना है। बुद्धिमान से निवेश करें।	तुला 	नौकरी और करियर में नए अवसर आपका ध्यान आकर्षित करेंगे। व्यापार में रुकी हुई योजनाएं गति पकड़ सकती हैं। आपत्त व प्रेम जीवन में सामंजस्य और विश्वास बढ़ेगा।
वृषभ 	कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, धैर्य बनाए रखें। व्यापारिक मामलों में वित्तीय योजना बनाकर चलना लाभदायक रहेगा। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी।	वृश्चिक 	कार्यक्षेत्र में विरोधियों पर आपकी बुद्धिमत्ता भारी पड़ेगी। व्यापारिक योजनाओं में नया मोड़ आ सकता है, सतर्क रहें। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा।
मिथुन 	कार्यक्षेत्र में नए प्रोजेक्ट या प्रोजेक्ट विस्तार के अवसर मिलेंगे। व्यापार में साझेदारी और संवाद कौशल से बड़ा लाभ हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।	धनु 	रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और कार्यस्थल पर प्रशंसा होगी। व्यापार में विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाना फायदेमंद रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है।
कर्क 	कार्यस्थल पर आपकी मेहनत को सराहा जाएगा और सहयोग मिलेगा। व्यापारिक सौदों में थोड़ी सतर्कता और सोच-समझ की जरूरत है। खानपान पर ध्यान दें।	मकर 	कामकाज का दबाव रहेगा, इसलिए कार्यों को प्राथमिकता दें। व्यापारिक मामलों में जल्दबाजी में निर्णय न लें। घर-परिवार में किसी बात को लेकर संघर्ष से बातचीत करें।
सिंह 	करियर में प्रगति के योग हैं, आपकी नेतृत्व क्षमता चमकेगी। व्यापार में नए सौदों पर बातचीत शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा।	कुम्भ 	आपकी बुद्धिमान से कार्यक्षेत्र की जटिल समस्याएं हल होंगी। व्यापार में नए साझेदारों या ग्राहकों से लाभ होगा। मित्रों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।
कन्या 	कार्यक्षेत्र में सतर्कता से काम लें और समय सीमा का ध्यान रखें। व्यापार में किसी भी बड़े निवेश से पहले पूरी जांच-परख कर लें। मानसिक तनाव से बचें।	मीन 	कार्यस्थल पर अपनी बात और विचारों को प्रभावी ढंग से रख पाएंगे। व्यापार में मध्यम लाभ के योग हैं, नई रणनीतियों पर ध्यान दें। आर्थिक प्रगति के संकेत हैं।



जल्द ही करीना कपूर के चैट शो व्हाट विमेन वांट में नजर आयेंगी मीरा राजपूत

करीना कपूर खान कभी एक्टर शाहिद कपूर को डेट करती थीं। साल 2004 से 2007 तक दोनों के इश्क के घनघोर चर्चे थे। लेकिन फिर ब्रेकअप हो गया। इसके बाद से दोनों जब भी एक मंच पर आए हैं, थोड़े अनकॉफर्टेबल ही दिखे। लेकिन अब कुछ ऐसा हुआ है, जिसे जानकर फैस भी चौंक गए हैं। शाहिद की पत्नी मीरा राजपूत जल्द ही करीना कपूर खान के चैट शो व्हाट विमेन वांट में नजर आने वाली हैं। दोनों हसीनाओं ने इसकी शूटिंग भी कर ली है। सेट से दोनों की तस्वीरें भी सामने आई हैं। और तो और, इंस्टाग्राम पर दोनों ने

एक-दूसरे पर भरपूर प्यार भी बरसाया है। यह कुछ ऐसा है, जिसे देख फैस हैरान हैं और कह रहे हैं कि उन्होंने इसकी उम्मीद कभी नहीं की थी। करीना कपूर ने जहां इंस्टाग्राम स्टोरी पर मीरा राजपूत संग तस्वीर शेयर की है, वहीं मीरा ने करीना कपूर के शो में पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने करीना को टैग करते हुए उनकी तारीफ की, जिस पर एक्ट्रेस ने भी प्यार से जवाब दिया। पोस्ट सामने आते ही फैस ने दोनों की जोड़ी और इस दुर्लभ

मुलाकात पर मजेदार रिएक्शन देना शुरू कर दिया। करीना कपूर खान ने भी मीरा राजपूत के साथ अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है। फोटो में दोनों साथ में काफी खुश नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए करीना ने मीरा को टैग किया और लिखा, शो में बेहद वॉर्म एंड लवली मीरा। करीना के इस पोस्ट से साफ है कि शो पर मीरा का आना उनके लिए भी खास रहा। दोनों की इस प्यारी तस्वीर और करीना के खूबसूरत मैसेज को देखने के बाद फैस के बीच उनकी बॉन्डिंग को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। अब लोगों को इस एपिसोड के रिलीज होने का इंतजार है, ताकि दोनों की बातचीत को करीब से देखा जा सके।

मेरे अंदर का कलाकार अभी जिंदा है: आयुष्मान खुराना



आयुष्मान मुंबई में मंगलवार को शुरू हुए दो दिवसीय फिक्की फ्रेम्स 2026 में बतौर एंभेसडर जाने-माने निर्देशक श्रीराम राघवन और सिनेमा एक्सपर्ट डेजिल डियास के साथ सिनेमा के मौजूदा ट्रेंड्स पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा, मेरा शुरू से ही विश्वास रहा है कि फिल्म की असली सुपरस्टार उसकी कहानी होती है। हालांकि, पिछले करीब 20 फिल्मों में मैंने हर तरह की फिल्में की हैं। कुछ बिल्कुल अलग तरह की, तो कुछ पारंपरिक बॉलिवुड टाइप की भी, लेकिन अब मैं फिर से अपनी जड़ें यानी ऑथेंटिसिटी की ओर लौट रहा हूँ, क्योंकि मेरा मानना है कि अगर हम दर्शकों के सामने प्रामाणिक और सच्चा विषय लेकर आएँ, तो वह खुद ब खुद लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। मेरी अगली फिल्म 'उड़ता तीर' भी कुछ ऐसी ही है। ऐसा अक्सर कहा जाता है कि आज के ऐक्टर्स की स्टारडम पहले के स्टार्स जैसी नहीं रही, जो दर्शकों को थिएटर में खींच सके। उस दौर में दर्शक उन्हें देखने के लिए तरसते थे। थिएटर बिजनेस के लिहाज से आज के समय में स्टारडम के मायने पूछने पर आयुष्मान ने कहा, मुझे लगता है कि आज हम कई अलग-अलग यूनिवर्स में रह रहे हैं। आज मनोरंजन की कई अलग-अलग दुनिया है और हर दुनिया के अपने स्टार हैं। इनमें इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर भी शामिल हैं। कुछ स्टार ऐसे हैं, जो बहुत बड़े हैं, लेकिन हो सकता है कि आप उनके बारे में जानते तक न हों। उन्होंने आगे कहा, वहीं, कुछ लोगों की पूरी दुनिया उन्हें जानती है। इसलिए स्टारडम की आज कोई तय परिभाषा नहीं है।

महेश भट्ट अब भी उठाते हैं 44 साल के बेटे राहुल और पहली पत्नी का स्वर्च

महेश भट्ट की पहली पत्नी किरण से हुए उनके बेटे राहुल भट्ट बड़े हो रहे थे, तब महेश भट्ट अपने करियर में व्यस्त थे। हाल ही में हुई एक बातचीत में राहुल ने अपने पिता के साथ अपने रिश्तों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उनके बचपन के दौरान पिता उनके साथ नहीं थे और इस वजह से उनके बीच दूरियां आ गईं। सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए राहुल भट्ट ने बताया कि बचपन के ज्यादातर समय में उन्हें अपने पिता की तरफ से नजरअंदाज किए जाने का एहसास हुआ। उन्होंने कहा कि पिता के लगातार घर से दूर रहने और माता-पिता के अलग हो जाने की वजह से, वह खुद को घर का मुखिया समझने लगे थे। अपने रिश्ते को टूटा हुआ बताते हुए राहुल ने कहा, मुझे खुद ही अपना पिता बनना पड़ा। मेरे पिता थे तो सही, लेकिन असल में वे मेरे साथ नहीं थे। वे मेरे प्रति थोड़े उदासीन रहे हैं, जिसकी वजह वे ही बेहतर जानते हैं। मैं अपने पिता से प्यार करता हूँ, उनका सम्मान करता हूँ, लेकिन मैं अपने पिता जैसा नहीं हूँ। यह एक टूटा हुआ रिश्ता है।



उनकी मदद करते हैं।

उन्होंने कहा, मेरी मां खुश नहीं रहती थीं। वे घर पर ही रहती थीं। घर में बहुत नकारात्मकता थी। किसी को कोई दिलचस्पी नहीं थी। आपस में कोई बातचीत नहीं होती थी। सब कुछ अव्यवस्थित था। वे बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं उनका सम्मान करता हूँ। वे मेरी मां का ख्याल रखते हैं। मैं इस बात का भी सम्मान करता हूँ। जब भी कोई आर्थिक संकट आता है, वे मदद के लिए मौजूद रहते हैं। इस लिहाज से मैं एक शानदार जिंदगी जी सकता हूँ। घर का खर्च चलाने की जिम्मेदारी मेरी नहीं है। मेरे पिता ही घर के खर्च उठाते हैं।

महेश ने बताया था कि जब राहुल पर 2008 के मुंबई हमलों के आरोपी डेविड हेडली से दोस्ती करने का आरोप लगा, तो उन्होंने राहुल का साथ दिया और इससे वे एक-दूसरे के करीब आए। उन्होंने कहा, जब वह मुश्किल दौर आया, तो परिवार एक साथ आ गया। सनी (राहुल भट्ट) को एहसास हुआ कि जिस पिता के बारे में उसे लगता था कि वे साथ नहीं हैं, वे असल में कभी दूर गए ही नहीं थे। धीरे-धीरे हमने अपने रिश्ते को फिर से बनाना शुरू किया और मैंने उससे कहा कि वह मेरे प्रति अपने गुस्से का इस्तेमाल अपने लक्ष्यों को पाने के लिए करे। और उसने ऐसा कर दिखाया।

कॉफी विद करण अब लेगा विदाई

फिल्मेकर करण जौहर अपने टॉक शो 'कॉफी विद करण' को होस्ट करने के लिए जाने जाते हैं। फैस को भी लंबे वक्त से 'कॉफी विद करण' के अगले सीजन का बेसब्री से इंतजार था। अब बुधवार को मेकर्स ने इसके नौवें सीजन की घोषणा, एक प्रोमो के जरिए कर दी है। मगर यह सिर्फ प्रोमो नहीं बल्कि करण की तरफ से एक भावुक संदेश भी है। करण जौहर ने 'कॉफी विद करण 9' का एलान करने के साथ-साथ अपने 22 साल पुराने सफर पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'मैंने 2004 में कॉफी विद करण शुरू किया था। मुझे याद है कि जब मैंने अपने पिता से इस चैट शो का आइडिया शेयर किया। उन्होंने कहा कि तुम तो वैसे भी रोज चार दोस्तों से मिलकर बात करते हो, तो तुम्हें एक टॉक शो शुरू करने की क्या जरूरत है? इसके कुछ ही दिनों बाद मैंने अपने पिता को खो दिया। इसके बाद मैंने यह शो शुरू किया।' इस वीडियो में आगे करण ने कहा, 8 सीजन, 161 एपिसोड में काफी कुछ बदला। इस शो में लवर्स आए, जो बाद में जाकर एक्स लवर्स हो गए। कुछ ऐसे थे जो जुड़े रहे, परिवारों के साथ दोस्त भी शामिल हुए। शो में हुई अनगिनत बातचीत सुर्खियां, मीम्स, बहस और कभी न भूलने वाली यादें बन गईं। कुछ सफर ऐसे होते हैं जिन्हें खत्म करने की आप कोई योजना नहीं बनाते, बस, आपके मन में कहीं गहराई में यह बात होती है कि उन्हें कब छोड़ना है।

निम्नत कौर ने की फिल्म धुरंधर की जमकर तारीफ

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर को सिनेमाघरों में दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। इस फिल्म को सिनेमा जगत से जुड़े कलाकारों ने भी काफी सराहा था। एक बातचीत के दौरान एक्ट्रेस निम्नत कौर ने भी अब फिल्म की जमकर तारीफ की है। निम्नत ने बताया कि फिल्म धुरंधर ने दर्शकों के बीच स्पाई फिल्मों को लेकर सोच बदल दी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब कोई चीज इतनी अच्छी तरह से बनाई जाए कि लोगों को पता चले कि ऐसी चीज कितनी प्रेक्टिकल लग सकती है। तो जाहिर है, उसका स्तर ऊंचा हो जाता है। मेरा मानना है कि कभी-कभी हमारे सामने ऐसी फिल्म आती है जिसे देखकर

लगता है, अरे, यह तो वही कहानी है, लेकिन इसे उस अंदाज में पेश किया गया है जिसका हम इंतजार कर रहे थे। फिर वो फिल्म सबको ही पसंद आती है।' आगे अपनी बातचीत में निम्नत कौर ने कहा, 'धुरंधर अपने प्रस्तुति के कारण हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उदाहरण बन गई है। अगर किसी कहानी को उसकी पूरी क्षमता के साथ दर्शकों के सामने पेश किया जाता है, तो वह एक आम जासूसी फिल्म नहीं रह जाती, फिर वह धुरंधर बन जाती है।' फिल्म 'धुरंधर' में एक भारतीय एजेंट की कहानी दिखाई गई है, जो एक गुप्त मिशन पर होता है। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी अहम किरदारों में हैं।

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' और इसके दूसरे भाग 'धुरंधर द रिवेंज' ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की थी। फिल्म के पहले पार्ट ने 31 दिनों में 1,253 करोड़ से भी ज्यादा था। वहीं फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' का टोटल कलेक्शन 1,720.68 करोड़ था।



दिल्ली में सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार थम नहीं रही सियासी रार

» सड़क तय मानकों के अनुसार नहीं बनाई गई थी
» मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ एसीबी में दर्ज कराई शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार को लेकर सियासी रार मच गई है। आप ने भाजपा सरकार व सीएम रेखा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पुलिस में केस डालने के बाद अब आप मंत्री के खिलाफ एसीबी में शिकायत दर्ज करा दी है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा पर आउटर रिंग रोड परियोजना में 23 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए एसीबी का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कहा, हमारे विधायक ने वर्मा के विभाग के अंदर भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया था। इसका स्वतंत्र ऑडिट किया जाना चाहिए। हम एसीबी कार्यालय में यह मांग उठाएंगे। 'आप' नेता ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पार्टी की महिला पार्षदों के साथ बदसलूकी की। पुलिस ने कहा था कि एक हेड

आप ने भाजपा के खिलाफ खोला मोर्चा

कॉन्स्टेबल के साथ मारपीट करने और उसे कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के आरोप में भारद्वाज, तिलक नगर से 'आप' विधायक जरनैल सिंह और पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने पिछले हफ्ते सड़क के निरीक्षण के दौरान 22 साल के साहिब सिंह को थप्पड़ मारने को लेकर वर्मा के खिलाफ असंज्ञेय रिपोर्ट दर्ज की है। 'आप' नेता ने कहा, पीडब्ल्यूडी की ओर से जारी 23 करोड़ रुपये की निविदा में भ्रष्टाचार को लेकर आज एसीबी में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें मंत्री प्रवेश वर्मा का नाम भी शामिल है। शिकायत में आरोप लगाया गया है

कि सड़क तय मानकों के अनुसार नहीं बनाई गई थी और जब एक आम नागरिक इसका वीडियो बना रहा था, तो वर्मा ने उसका फोन छीन लिया और उसके साथ मारपीट की। भारद्वाज ने कहा कि 'आप' पिछले तीन दिन से वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग कर रही है, लेकिन दिल्ली पुलिस इसके उलट पार्टी कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा, अगर पुलिस अपना कर्तव्य निभाने में नाकाम रहती है तो हम अंततः प्राथमिकी

मामले में प्राथमिकी नहीं हुई तो अदालत जाएंगे : सौरभ भारद्वाज

पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर सड़क निरीक्षण के दौरान नागरिक से मारपीट के मामले में प्राथमिकी नहीं हुई तो वे अदालत जाएंगे। साथ ही उन्होंने मामले में केंद्रीय सड़क अनुसंधान संगठन से स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग भी की है। आप ने दिल्ली में पीडब्ल्यूडी के मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। 'आप' की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में आउटर रिंग रोड पर 23 करोड़ रुपये की सड़क मरम्मत परियोजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। इससे पहले, भारद्वाज ने कहा था कि अगर तीन दिन पहले सड़क के निरीक्षण के दौरान एक आम नागरिक को थप्पड़ मारने के मामले में वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती है, तो 'आप' अदालत का रुख करेगी।

दर्ज कराने के लिए अदालत का रुख करेंगे। भारद्वाज ने मांग की कि तिलक नगर इलाके में लोक निर्माण विभाग की ओर से निर्मित जिस सड़क की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है, उसका केंद्रीय सड़क अनुसंधान संगठन जैसी किसी सड़क आभियांत्रिकी विशेषज्ञ एजेंसी से स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए।

गिल का दोहरा शतक, भारत ने वेस्टइंडीज को चटाई धूल

» रोहित ने भी जड़ा सैकड़ा, भारत के पास सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल के रिकॉर्डतोड़ नाबाद दोहरे शतक और रोहित शर्मा की शानदार सेंचुरी की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन शतकों की मदद से 405/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में भारत ने 43.3 ओवर में दो विकेट खोकर 406 रन बनाते हुए वनडे इतिहास के अपने सबसे बड़े लक्ष्य का सफल पीछा किया। भारत की जीत के नायक कप्तान शुभमन गिल रहे, जिन्होंने 133 गेंदों में नाबाद 223 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। उन्होंने 117 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया और वनडे क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन

गए। गिल ने इस मामले में अपने ही साथी ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंदों में 200 रन पूरे किए थे। गिल ने 117 गेंदों में 200 रन पूरे कर इतिहास रच दिया। गिल का यह वनडे में दूसरा दोहरा शतक है। इस तरह वह रोहित शर्मा के बाद वनडे में दो दोहरे शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए हैं। रोहित शर्मा ने महज 75 गेंदों में 101 रन बनाए। वह वनडे क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के सातवें बल्लेबाज और तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। रोहित का यह वनडे में 35वां शतक भी रहा। गिल-रोहित ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 26.2 ओवर में 255 रन जोड़ दिए। इससे पहले वेस्टइंडीज के जॉन कैंपबेल, शाई होप और अमीर जांगू ने शतक लगाए। कैंपबेल ने 101 रन बनाए। कैंपबेल के बाद शाई होप ने 104 रन बनाए। वहीं अमीर जांगू ने 114 रन की पारी खेली।

एशियन गेम्स: बांग्लादेश को हराकर पाक फाइनल में

निश्चिन्। एशियन गेम्स में पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश को छह विकेट से हरा दिया और फाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में पाकिस्तान के कप्तान साहिबजाद फरहान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। बारिश की वजह से यह मुकाबला 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनाए थे। 112 रन के लक्ष्य को पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में हासिल कर लिया। हसन नवाज 27 रन और अब्दुल समद 30 रन बनाकर नाबाद रहे।

लीडरशिप में संभावित बदलाव की अफवाहों पर कोई भी टिप्पणी नहीं: अमरिंदर वडिंग

» पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बोले- कुछ मामले अंदरूनी होते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने राज्य पार्टी लीडरशिप में संभावित बदलाव की अफवाहों पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि कुछ मामले अंदरूनी होते हैं। जब उनसे इस अटकल के बारे में पूछा गया कि क्या वह पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे सकते हैं, तो वडिंग ने जवाब दिया, मैं किसी भी चीज पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। सही समय आने पर मैं आपको बता दूंगा। दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर के संभावित दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने फिर कहा कि कुछ मामले अंदरूनी होते हैं।

ऐसी अटकलें तेज़ हो गई हैं कि कांग्रेस आलाकमान उन्हें राज्य इकाई प्रमुख के पद से हटाने पर विचार कर रहा है। 2027 के



पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब कांग्रेस में पिछले कुछ हफ्तों से अंदरूनी मतभेद चल रहे हैं। हाल ही में, कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जगह सचिन पायलट को पंजाब के लिए पार्टी का महासचिव नियुक्त किया है। पंजाब में कांग्रेस को अंदरूनी गुटबाजी का सामना करना पड़ा है, जहां अलग-अलग गुट आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ज़्यादा असर जमाने की कोशिश कर रहे हैं।

छात्राओं ने नशे से दूर रहने की ली शपथ

» एपी सेन गर्ल्स इंटर कॉलेज में मादक पदार्थ विरोधी जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नशामुक्त भारत अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), महानगर लखनऊ की ओर से चारबाग स्थित ए.पी. सेन गर्ल्स इंटर कॉलेज में मादक पदार्थ विरोधी जनजागरूकता (जागृति) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक हानियों के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वसुंधरा और साथी हूमन वेलफेयर सोसाइटी अहम योगदान दिया। मुख्य अतिथि रोहित राज, कार्यकारी



अधीक्षक, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी), लखनऊ ने छात्राओं को सभी प्रकार के मादक पदार्थों से दूर रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इससे परिवार और समाज पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं। उन्होंने छात्राओं से नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने

ज्योतिषी विजय को यूएस का राष्ट्रपति भी बना सकते हैं : कनिमोझी

» डीएमके सांसद ने सचिवालय की योजनाओं को लेकर सीएम का उड़ाया मजाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके सांसद कनिमोझी ने नए सचिवालय निर्माण की योजना को लेकर मुख्यमंत्री और उनके ज्योतिषी पर तंज कसा है। चेन्नई के पट्टिनापक्कम में 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट का स्थानीय मछुआरा समुदाय भी आजीविका प्रभावित होने के कारण कड़ा विरोध कर रहा है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ की नई सचिवालय बनाने की योजना पर तीखा तंज कसा। उन्होंने इस कदम को मुख्यमंत्री के ज्योतिषी से जोड़ते हुए मजाक उड़ाया और कहा कि हो सकता है कि ज्योतिषी उन्हें अमेरिका का राष्ट्रपति बनाने की भी योजना बना रहे हों।



कनिमोझी ने एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने ज्योतिषी रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल के साथ मुख्यमंत्री के जुड़ाव पर तंज कसते हुए उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का मजाक उड़ाया। 1,200 एकड़ में बनने वाले नए सचिवालय कॉम्प्लेक्स की योजनाओं का जर्ज़ि करते हुए सांसद ने कहा मुझे नहीं पता कि ज्योतिषी ने उनसे क्या कहा लेकिन वे एक नई विधानसभा बनाने जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि हो सकता है ज्योतिषी ने विजय से कहा हो कि समुद्र को देखने से ही वह मुख्यमंत्री बन गए थे और उसे दोबारा देखने से वह प्रधानमंत्री बन सकते हैं। कनिमोझी ने कहा समुद्र के सामने वाले ऑफिस में जाने से पहले वह मुख्यमंत्री हैं। उस ऑफिस में जाने के बाद, शायद वह प्रधानमंत्री बनने की इच्छा रखेंगे। अपनी बात में तंज कसते हुए कनिमोझी ने कहा कि ज्योतिषी विजय को राष्ट्रपति बनने के लिए सीधे अमेरिका भेजने से पहले दिल्ली में ताजमहल या हिमालय देखने की सलाह भी दे सकते हैं। नए सचिवालय के लिए विजय की योजनाओं ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है।

फिर चला योगी सरकार पर हाईकोर्ट का हंटर

यूपी पुलिस एसआई भर्ती पर घिरा विभाग, नियुक्ति पत्र बांटने पर रोक, मामले की अगली सुनवाई अब 5 अक्टूबर को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई भर्ती 2025 में एक नया मोड़ आ गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपने की

तैयारियों चल ही रही थीं कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नियुक्ति पत्र जारी करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

कोर्ट के इस कड़े आदेश के बाद फिलहाल के लिए पूरी भर्ती प्रक्रिया पर ब्रेक लग गया है। यह ऐतिहासिक आदेश जस्टिस अनीस कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने श्याम सुंदर, कमलेश यादव और यश पांडे सहित 44 अन्य

उम्मीदवारों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। मामले की अगली सुनवाई अब 5 अक्टूबर को तय की गई है। उत्तर प्रदेश सिविल पुलिस और समकक्ष पदों पर सब-इंस्पेक्टर की सीधी भर्ती के लिए विज्ञापन 12 अगस्त, 2025 को जारी किया गया था। इस भर्ती के लिए 15,75,706 आवेदन प्राप्त हुए थे। लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च को दो शिफ्ट में आयोजित की गई थी।

परीक्षा में लगभग 10.77 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। लिखित परीक्षा का परिणाम 7 मई को घोषित किया गया, जिसमें 12,733 उम्मीदवार भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण के लिए योग्य पाए गए। इसके बाद 14 जुलाई को अंतिम परिणाम घोषित किया गया। फिर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र बांटने की तैयारी चल रही थी।

आंसर की के खेल से फंसा 12 हजार युवाओं का भविष्य!

ये याचिकाएं अंतिम आंसर की (उत्तर कुंजी) में किए गए बदलावों से संबंधित हैं। वकील संजय कुमार यादव के अनुसार, भर्ती बोर्ड ने 23 मार्च को प्रविजनल (अनंतिम) आंसर की जारी की थी, जबकि अंतिम आंसर की 7 मई को जारी की गई—उसी दिन जिस दिन लिखित परीक्षा का परिणाम आया था। खबरों के अनुसार, अंतिम आंसर की में कई उत्तर बदले गए थे। उम्मीदवारों ने इन बदलावों पर आपत्ति जताई,

खासकर इसलिए क्योंकि हर सवाल के लिए 2.5 अंक निर्धारित थे। नतीजतन, कुछ उम्मीदवार जो बहुत कम अंतर से कट-ऑफ से चूक गए थे, वे इससे प्रभावित हुए। कुछ उम्मीदवार ऐसे भी थे जो अगले चरण के लिए तो चुने गए थे, लेकिन 14 जुलाई को अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद वे सफल नहीं हो पाए। खबरों के अनुसार, कुछ उम्मीदवार सिर्फ एक या दो अंकों से चयन से चूक गए।

कोर्ट ने नियुक्ति पत्र पर रोक क्यों लगाई है?

उम्मीदवारों ने बदले हुए उत्तरों पर आपत्ति जताई थी

उम्मीदवारों ने बदले हुए उत्तरों पर आपत्ति जताई थी, लेकिन आरोप लगाया कि भर्ती बोर्ड ने उन पर विचार नहीं किया। इसके बाद उन्होंने याचिकाओं के जरिए हाई कोर्ट का रुख किया। वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक खरे ने अधिवक्ता संजय कुमार यादव और आलोक मिश्रा के साथ मिलकर कोर्ट के सामने याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा। हाई कोर्ट ने अब नियुक्ति पत्र जारी करने पर रोक लगा दी है और मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को तय की गई है।

अहमदाबाद ब्लास्ट मामले में इंडियन मुजाहिदीन दोषी की फांसी पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

» शीर्ष कोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य की मौत की सजा के अमल पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति विष्णु नाथ, न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अहमद बावा उर्फ अबू अबुबकर बरेलवी की याचिका पर गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया।

बरेलवी ने अपनी याचिका में उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें निचली अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने मामले से संबंधित निचली अदालत के रिकॉर्ड तलब किए और फांसी की सजा पर रोक लगा दी। मामले

में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। उच्च न्यायालय ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाका मामले में इंडियन मुजाहिदीन के 38 दोषियों की मौत की सजा सात जुलाई को बरकरार रखी थी।

अदालत ने बड़ी संख्या में हुई मौतों, 'बहुत बड़ी साजिश' और व्यापक स्तर पर आतंक फैलाने की मंशा को सजा बरकरार रखने के प्रमुख कारणों में शामिल किया था। उसने 11 अन्य दोषियों को दी गई उम्रकैद की सजा भी बरकरार रखी थी और माना था कि गुजरात और केरल में आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों में उनकी भूमिका तथा साजिश के लिए रसद संबंधी सहायता उपलब्ध कराने की बात अभियोजन पक्ष ने साबित की थी। अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में 26 जुलाई 2008 को करीब 70 मिनट के भीतर 21 सिलसिलेवार

बम धमाके हुए थे। इनमें 56 लोगों की मौत हुई और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। धमाकों के बाद घायलों को इलाज के लिए ले जाए जा रहे अस्पतालों में भी विस्फोट हुए थे। यह भारत में किसी आतंकवादी हमले के दौरान चिकित्सा केन्द्रों को निशाना बनाए जाने की पहली ऐसी घटना थी। दोषियों में प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के पूर्व नेता सफदर नागौरी और गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल तथा उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों के उसके सहयोगी शामिल हैं।

इस मामले में 35 पुलिस मामलों को एक साथ मिलाए जाने के बाद 78 लोगों पर मुकदमा चला था। इनमें अहमदाबाद धमाकों से संबंधित 20 प्राथमिकी और सूत्र में बरामद किए गए बिना फटे बमों से जुड़े 15 मामले शामिल थे। विशेष अदालत ने इनमें से 49 लोगों को दोषी ठहराया था। विशेष अदालत का फरवरी 2022 का फैसला इस लिहाज से ऐतिहासिक था कि किसी एक मामले में एक साथ 38 दोषियों को मौत की सजा सुनाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट से ममता बनर्जी को झटका

टीएमसी के चार बैंक अकाउंट को अनाफ्रीज करने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) गुट को बड़ा झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने टीएमसी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें पार्टी ने अपने चार डेबिट-फीज किए गए बैंक खातों को संचालित करने की अनुमति मांगी थी। इसके साथ ही कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें पहले इस मांग को ठुकरा दिया गया था।

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने कहा कि चूंकि चुनाव आयोग ने पार्टी का चुनाव चिह्न फ्रीज कर दिया है और खातों में मौजूद फंड का असली हकदार कौन है, यह बड़ा सवाल अभी भी अदालत में विचाराधीन है, इसलिए वे इस मामले की गहराई में नहीं जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस मामले के गुण-दोष में नहीं जाना चाहते और अनुच्छेद 136 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने के पक्ष में नहीं हैं। हम कलकत्ता हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले की सुनवाई में तेजी लाए।

बता दें कि टीएमसी ने पश्चिम बंगाल



पुलिस की तरफ से पब्लिक सेक्टर के बैंकों में फ्रीज किए गए अपने चार खातों को चलाने की अनुमति मांगी थी। पार्टी का तर्क था कि इन खातों को फ्रीज करने से जुड़ी एफआईआर में प्रक्रियागत कमियां थीं। ऐसे में कलकत्ता हाई कोर्ट ने बीते 27 अगस्त को अपने आदेश में उन चार बैंक खातों जिनमें करीब 804 करोड़ रुपये हैं को चलाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। अदालत का मानना था कि ऐसी राहत देने से उसका वह पिछला आदेश कमजोर हो जाता, जिसमें पार्टी को केवल अपने रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने की छूट दी गई थी।

ज्ञानेश कुमार भाजपा का एजेंट था है और रहेगा : मल्लिकार्जुन खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर तीखा बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ज्ञानेश कुमार, भाजपा का एजेंट था, है और रहेगा। खरगे ने साथ ही कहा कि जब तक कांग्रेस को बैलेट पेपर से मतदान का अधिकार नहीं मिलता, तब तक उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, एसआईआर और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर लगातार सवाल उठा रही है। 29 सितंबर को कांग्रेस

कार्यसमिति की बैठक में खरगे ने चुनावी प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जिम्मेदारी एक बार फिर कांग्रेस के सामने है। खरगे ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की नींव को कमजोर किया है और मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को कमजोर करने के पक्ष में नहीं है। उनका कहना था कि आयोग इतना मजबूत और विश्वसनीय होना चाहिए कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों उसके फैसलों पर भरोसा कर सकें।

भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण मासूम बच्चों की जान गई : राहुल गांधी

» आदिवासी बच्चों की मौत पर भड़के, पीड़ितों से मिलेंगे नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मध्य प्रदेश के बालाघाट का दौरा कर रहे हैं। वे उन आदिवासी परिवारों से मिलेंगे जिनके बच्चों की हाल ही में बीमारी, कुपोषण और खराब स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण मौत हो गई थी।

गांधी ने एक्स पर अपने दौरे की जानकारी देते हुए कहा कि मैं आज बालाघाट आ रहा हूँ। उन आदिवासी परिवारों से मिलने, जिन्होंने बीमारी और भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण अपने मासूम बच्चों



को खो दिया है। उनके साथ समय बिताकर मैं उन्हें यह बताना चाहता हूँ कि वे इस दुख में अकेले नहीं हैं—मैं उनके साथ हूँ। उन्होंने केन-बेतवा प्रोजेक्ट से प्रभावित आदिवासी परिवारों से जुड़े मुद्दों पर भी बात की और आरोप लगाया कि गांवों को बिना सही पुनर्वास या मुआवजे के ही डुबोया जा रहा है। गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं केन-बेतवा आंदोलन से जुड़े आदिवासी

भाई-बहनों से भी मिला था। आज इस प्रोजेक्ट की वजह से उनके गांव डूब रहे हैं, लेकिन सरकार से उन्हें न तो पुनर्वास मिला और न ही मुआवजा— उन्हें सिर्फ उत्पीड़न, सरकारी दमन और हिंसा का सामना करना पड़ा है। इंदौर में अपने हालिया छात्रों की गूँज कार्यक्रम के दौरान आदिवासी छात्रों की चिंताओं का जिक्र करते हुए, गांधी ने शिक्षण संस्थानों, हॉस्टलों और खाने-पीने की सुविधाओं में कमियों, परीक्षा में गड़बड़ियों और आरक्षण के अधिकारों से जुड़े मुद्दों की बात की। उन्होंने इन समस्याओं के लिए आदिवासी समुदायों के प्रति बीजेपी-आरएसएस की सोच को ज़िम्मेदार ठहराया।

सांसद ने भाजपा पर साधा निशाना